एक तरफ अनूप जलोटा के भजन तो दूसरी ओर डीजे के गीतों पर खूब थिरके युवा

ऐसी लागी लगन... सब हुए मगन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व भजन सम्राट अनूप जलोटा ने मंगलवार को शताब्दी समारोह के मंच प्रस्तुतियां देते मुझ की ही संगीत संध्या सुरमयी हो गई। उन्होंने आज भी मेरे मन में ध्यान में रहता विश्वविद्यालय, दुनिया देखी नहीं मिला लखनऊ विश्वविद्यालय... से आगाज किया। इसके बाद शुरू हुआ भजन, गीत और गजल का सिलसिला। अनूप जलोटा ने ऐसी लागी लगन... से महफिल को भक्तिमय बनाया तो अपने जमाने के हिन्दी में गुनगुनाने गाना नीम में प्यार तो नहीं... लिखो मेरी चिट्ठी भेजूंगे... और दमादम मस्त कलंदर सुनाते हुए युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान वह विश्वविद्यालय में बिताए छात्र जीवन के संस्मरण भी सुनाते रहे। बताया कि मैं यहां पढ़ता तो था पर पढ़ाई में मन नहीं लगता था। इसलिए कैंटीन में बैठकर गाना गाता रहता था। अंडेकी बहुत मुश्किल लगती थी, इसलिए किसी बंदी देखता था कि शायद उसे देखकर अंडेकी आ जाए, पर ऐसा हुआ नहीं। पुश्तों को अपना मुरीद बनाने के बाद उन्होंने श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम...साकर समारोह से विदा ली।

बताया सांस रोकने का राज... : अनूप जलोटा को भजन के दौरान लंबी सांस रोकते हुए गाने के लिए भी जाना जाता है। समारोह के दिवंगत लोगों को याद करते हुए भजन गाने के बाद उन्होंने एक बार फिर से अपने कला से सभी को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद उन्होंने बताया कि आज तक वैसे यह राज नहीं बताया कि उनकी सांस कैसे रोक लेता हूं। अपने परिवार पहुंचकर यह राज बताता हूं कि यह कलाम मां प्रणामय मौसीकार का पाठ हूं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव में मंगलवार को अनूप जलोटा के भजनों और डीजे नारायण के गीतों से राम गली तो पुश्तों ने भी जमाकर उनका इस्तेमबाल किया।

आंखों में तेरा ही चेहरा...से लूटी महफिल

लखनऊ। शताब्दी समारोह के छठे दिन की संगीत संध्या में कला संकाय के प्रांगण में सुशीलिद्र यादव डीजे नारायण ने अपने अंदाज में समां बांधा। इसके बाद अनूप जलोटा ने अपने चिर परिचित अंदाज में आंखों में तेरा ही चेहरा... से लूटी महफिल की शुरुआत की। इसके बाद सुपरहिट भजनों की लंबी फेहरिस्त पेश की। इसमें मेरे तो गिरधर गोपाल... से लेकर मेरी लगन में तुम्हारी... तक शामिल रहे। इसके बाद उन्होंने श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम... गाकर समारोह से विदा ली।

बाबूजी के बाद डीजे ने भी फहराया झंडा...

लखनऊ। शताब्दी समारोह के छठे दिन की संगीत संध्या में कला संकाय के प्रांगण में सुशीलिद्र यादव डीजे नारायण ने अपने कार्यक्रम के दौरान डीजे संघर्ष किया। इसे दादा... एक सके न मुझको छोड़...मैं ते नया समेरा हूं...कह समुंदर पार से भी पता मिटने अपेरा हूं...गीतों से राम को जगा कर दिया। डीजे नारायण ने कहा कि किसी तरह यह इसी मौके पर पहचान निकले। समारोह मेला के बाद अपना डीजे बैंड शुरू किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उनको सम्मानित किया।

हेरिटेज वॉक में जाना विवि का अनसुना इतिहास

लखनऊ। शताब्दी समारोह के अंतर्गत आयोजित हेरिटेज वॉक के अंतिम चरण में छात्राओं को इसका आकर्षण का केंद्र सेया चिकन की स्थापना करने वाली लखिवि की 1973 बैच की छात्रा रुना बनर्जी और रीतो सिन्हा के आगमे प्रवेश रहे। इसके अलावा संस्था बैच 1976 बैच के पूर्व छात्र अजय कुमार मे भी शिरकत की। अतिथियों ने पुराने कैंपस पर केंद्रित लखिवि परिसर का भ्रमण किया। हेरिटेज वॉक पाठ्यक्रम देवस्था द्वार से शुरू हुई। अतिथियों ने विवि के अनसुने इतिहास को जाना और भविष्य में विवि के लिए कुछ करने की सोच भी जगाई। संयोजक प्रवेश सिंह ने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लखिवि द्वारा दिये प्रतीक चिह्न जारी करने का सुझाव दिया जिन्हें सभी खरीद सके। इनमें टोपी, टी शर्ट आदि शामिल हैं। आहितियों को डॉ. अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि हेरिटेज वॉक अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल रही।

एथलेटिक्स में युवाओं ने दिखाया दमखम

लखनऊ। शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत मंगलवार को छात्रों ने एथलेटिक्स में दमखम दिखाया। विवि के पवेलियन मैदान पर एथलेटिक प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्य अतिथि बलरामपुर के चिकित्सक शैलेश कुमार सिंह शैरू और चीफ प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार की मौजूदगी में हुआ। पुरुषों का उद्घाटन बहाने के लिए विभागवार मे भी 100 मीटर रनिंग रेस में हिस्सा लिया। लड़कों की 800 मीटर दौड़ में बीए की छात्र मैं विवि के वर्तमान छात्रों में भाग्यश्री प्रधान प्रथम, सुनिता पाल द्वितीय और प्रभात राय तृतीय स्थान पर रहे। उधर, महिलाओं वर्ग में अनामिका प्रधान, पिया जायसवाल द्वितीय और सिवांगी तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग 100 मीटर दौड़ में विवि के पूर्व छात्रों में कार्तिकेय प्रधान, अंकुल वर्मा द्वितीय और अंकुल सिंह ने तृतीय स्थान पर रहा। 800 मीटर दौड़ महिला वर्ग में विवि की पूर्व छात्राओं में सचिन ने प्रथम, रश्मि खरिया खान द्वितीय और सीतल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 400 मीटर रिले रेस में लखिवि के वर्तमान छात्रों में आलिया प्रधान, रजत द्वितीय, सलोट तृतीय और कार्तिकेय पांचवें स्थान पर रहे। कार्यक्रम के अंत में लखिवि शताब्दी वर्ष थीम अन्तर्गत 'ए जर्नी थ्रू टाइम' के समापन घण्टाबाद प्रतिभा सिंह। इस अवसर पर प्रो. आलम खानेपीने, डॉ. अपेक्षा कुमार शुक्ला, डॉ. गणेश शंकर पांडेय सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

लविवि की कीर्ति फैलाने वाले पूर्व छात्रों का सम्मान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि की स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मंगलवार को तृतीय भाग में अपनी उपलब्धियों से सिवि की कीर्ति फैलाने वाले पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। खास में कि सम्मान देने व लेने वाले दोनों ही विवि के विद्यार्थी थे। प्रदेश के विज मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, मंत्री मोहर सिंह और क्रमेश पाठक ने पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

समारोह में देर भर से लोग आये थे। वहीं केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के साथ ही नीति आयोग के उपाध्यक्ष चर्चुअली समारोह से जुड़े। सुरेश कुमार ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वर्ष 1974 में लविवि में ला में दाखिला लिया और इसी विवि के कारण ही विधानसभा और मंत्री पद तक पहुंचे। इस मौके पर प्रो. धुरधीन सिंह की पुस्तक पुलक दीक्षा : शताब्दी संकलन कोरोना विहान और समता तथा मोहिता लिखी की पुस्तक हंदुत्व हमारे संस्कार का भी विमोचन किया गया। प्रवेशकर निति पांडेय ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह में देशभक्ति से वर्चुअली भी जुड़ीं नामचीन हस्तियां

इनका हुआ सम्मान

पद्मश्री राम बिलासिए, पद्मश्री अनूप जलोटा, डॉ. आलमल मुस्तफा, लीना जोशी, अंजुल शर्मा, जे बी सिंह, विजय पुष्कर, डॉ. जे के पोलमारी, हेमी त्रिपाठी सकीना आरएफ, रजनीश त्रिपाठी, आर पे सिंह, अर्जुन अवार्डी रानल नेहिल, रुपिंद पाल, समतिज्ञान चिकित्सक डॉ. सुरभिता, पुल्ल कवि एकल्प प्रसून, अभिजात प्रकाश, डॉ. एन के पाण्डेय, गणेश गौरांग, अनिल भारद्वाज डॉक्टर सुरभिता, अभिव्यक्ता जर्नल राघवेंद्र अदि।

“भारतीय परंपरा में गुरु का महत्व”

कोविड पॉजिटिव होने की वजह से समारोह में मैं शामिल नहीं हो सका इसलिए चर्चुअली जुड़ रहा हूं। भारतीय परंपरा में गुरु का महत्व है। गुरु अंधकार से प्रकाश में लाने का काम करता है। भारत निज जूतन पिर पुलक का दीजे है। कई पुरानी समस्याएं खत्म हो गईं, इसलिए लविवि के सोच का विस्तार हुआ। लविवि भारत एजुकेशन यूनियनिटी- ए विलेगेस अनसेंड, अनटोल्ड, का विमोचन किया गया। प्रवेशकर निति पांडेय ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

“लविवि ने दी थी पनाह”

लविवि ने मुझे पनाह दी थी। यहां से स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध किया। यहां के शिक्षकों ने अभिशक्त के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ाई। आज उसी लविवि है कि मैं इस पद तक पहुंच पाया हूं। इस यात्रा में मुझे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मैं 60 के दशक में चौथा नाटक अभिज्ञान: के विषय में बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय विभाग कलाध्यक्ष भी किया। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. कृष्ण कुमार सुमन ने कविता का स्वागत करते हुए प्रकृत भाव में कालपात्र भी किया। इसी तरह प्रो. आलम खान मशकर ने अपना मंतुल कालपात्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आईएएस अधिकारी डॉ. पांडु धनंजय सिंह ने भी लिखि पांडेय को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ समीक्षक ने अपनेपनी बेर किया जिसमें उन्होंने पूर्व छात्रों के संस्मरण सुनाए। डॉ. रेखा सुमन, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. रामलखन पांडेय के साथ ही कई छात्रों ने भी कालपात्र किया। अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रभात नारायण मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. अशोक कुमार लालपानी ने किया।

अनूप जलोटा की गायकी से सजी शाम

लखनऊ। वित्त संवाददाता

एक तरफ महफिल को खूबसूरत करती गीत लहरों की गूंज तो दूसरी तरफ सुरमयी शाम का रोमांच रात गहरे से... दी दूसरी ओर थिरक रहा लखनऊ का युवा दिखा। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपने अंदाज में प्रस्तुति दी। उन्होंने मंच पर आते ही हम दिखाए लखनऊ वर्चा किया। इसके बाद अनूप जलोटा ने ए शहर-ए-लखनऊ मेरा सलाम है गाकर लखनऊ को खिताब बांटा।

उन्होंने कहा कि यह गीत अभी फगलैट में लिखा। इसके बाद उन्होंने ऐसी लगी लगन, मीरा हो गई मगन, अच्छूतम केशवम कृष्ण दामोदरम भजन सुनाकर पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया। इसके बाद थिरगी कोई भड़के उसे कौन बुझाने, मैं शायर तो नहीं..., दम दम मस्त कलंदर और स्वयम सिवा मोरी तेर दे पुकारीया और स्वयम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम गीत भजन सुनाये तो छात्र झूम उठे।

क्लास में कम, कैंटीन में ज्यादा समय बिताता है:-

मंच पर उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि मैं यहां बहुत अच्छा समय बिताया है। मैं हमेशा अपनी बसरी में गाता था। क्लास कम कम जाता था, कैंटीन में ज्यादा समय रहता था, यहीं मेरी की महफिल सजती थी। वे दिन मेरे जीवन के बहुत अच्छे दिन थे। उनकी अभी भी याद आती है।

पूर्व छात्रों ने हेरिटेज वॉक में लिया हिस्सा

हेरिटेज वॉक में मंगलवार को पूर्व छात्र खासरा ने हिस्सा लिया। वेश विक्रम में लखनऊ और 1973 बैच की छात्रा रना बनर्जी और रीतो सिन्हि के आगमे प्रवेश के साथ संजय वन सिंह, 1976 बैच के पूर्व छात्र अजय कुमार ने भी शिरकत की। लगे पर बैठकर लखिवि परिसर का भ्रमण किया। इस अवसर पर संजय वन सिंह ने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लखिवि द्वारा दिये प्रतीक चिन्ह जैसे, टोपी, टी शर्ट आदि जारी करने का सुझाव दिया जिन्हें हर कोई खरीद सके।

● एलयू के शताब्दी समारोह में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन हुआ ● इस अवसर पर पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया

एलयू में 50 पूर्व छात्रों का सम्मान

पुरातन छात्र सम्मेलन

लखनऊ। वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में देर शाम आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र सम्मेलन में अपने अपने क्षेत्र में उच्चतम स्थान पाने वाले 50 पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया।

इन सूची में पद्मश्री से सम्मानित पूर्व छात्रों में लेकर राजनेता, प्रशासक, कुलपति, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल अन्य शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। वहीं, यूपी सरकार में मंत्री और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र सुरेश कुमार खन्ना मुख्य अतिथि और कानून मंत्री बृजेश पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कोरोना के चलते कई सम्मानित होने वाले पूर्व छात्र समारोह में शामिल नहीं हो पाए। जिसे अतिथि के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि आज भी अपने दौर के ये सभी पुराने किस्से याद आते हैं। अक्सर अपने यहां की सुनते हैं।

पुरातन छात्र सम्मेलन में आए पूर्व छात्रों ने इन लम्हों को कैमरे में कैद किया।

राज्यपाल ने दिए टिप्स

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि के उद्बोधन में कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय देश और समाज के लिए अनेक नायकों को तैयार करता है। लखनऊ विश्वविद्यालय को अपनी पुरानी गरिमा को वापस लाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे। छात्रों को जीवन में कठिन परिश्रम करने की आवश्यकता है। कठिन परिश्रम के बिना कोई भी सफलता हासिल नहीं की जा सकती।

पूर्व छात्रों से सहयोग की अपेक्षा: कुलपति

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि मैं अपेक्षा करता हूं कि पूर्व छात्रों का विश्वविद्यालय की हमेशा मदद करते रहेंगे। वे विश्वविद्यालय के विकास में अपना योगदान देंगे। तभी यह संस्था सुरेश खन्ना ने कहा कि 1974 में एलएलबी में दाखिला लिया था। सीख नहीं था कानपीठी में दाखिला लेना। और समाज सेवा करने का मौका मिलेगा।

हर समस्या में हल सब साथ रहते थे

डॉ. प्रवेश कुमार त्रिपाठी बताते हैं कि 1985 में बीएससी में दाखिला लिया। एमएससी में लेब में प्रयोग करते करते अमेरिका की बीटल का उपकरण खून पसा और मेरा भूल जब गया। आज भी उसे याद करता हूं। सभी छात्रों ने यही दावा कर हॉस्टिलट पहुंचता था। आज भी हम वहां का पाए रहता हूं। आहितिम डॉ. अजीत गोस्वामी कहते हैं कि जब भी लखनऊ आता हूं तो विश्वविद्यालय जरूर आता हूं। यहां आकर ऐसा लगता है जैसे मैं मां के आंचल में आ गया हूं।

सम्मानित छात्र

● कैलस के नारंग अरिक मोहम्मद खान, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, डीजी बीएसएफ रजनीकांत मिश्रा, पद्मश्री डॉ. पद्मा गणपति, अंतरराष्ट्रीय के पैरालिंपिक रजत विजेता दीपा मलिक, पद्मश्री डॉ. रमेश चंद्र मेहरोत्रा, पद्मश्री डॉ. सुनीता सिंह, पद्मश्री डॉ. राजेंद्र सिंह, पद्मश्री डॉ. अनिल प्रकाश जोशी

DAINIK JAGRAN PAGE I

आज भी मेरे मन में, ध्यान में रहता विश्वविद्यालय

आज भी मेरे मन में, ध्यान में रहता विश्वविद्यालय

लविवि शताब्दी वर्ष समारोह में डीजे नारायण के बाद **भजन सम्राट अनूप जलोटा** ने दी प्रस्तुति, पूर्व छात्र सम्मेलन भी हुआ

अनूप जलोटा ने गाया दे दो आंसू और जीवन की दौलत ले लो... पर झूमे श्रोता • राजेश तिवारी

अनूप ने कहा- ये विश्वविद्यालय नहीं, मेरा घर है • राजेश तिवारी

अनुपम मौके पर पढ़ी अनूठी कविताएं

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शताब्दी वर्ष में कोरोना काल की चुनौतियों के बावजूद कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इसमें ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन परीक्षा, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, ऑनलाइन दीक्षांत समारोह के साथ ही विश्वविद्यालय विभाग में ऑनलाइन कार्य प्रणाली को लागू करना शामिल है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत 'दे दो आंसू और जीवन की दौलत ले लो...' से की। इसके बाद उन्होंने 'मेरे घर आए आज मेरे राम जी...' भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया। इसके बाद उन्होंने 'मेरे घर आए आज मेरे राम जी...' भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया। इसके बाद उन्होंने 'मेरे घर आए आज मेरे राम जी...' भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया। इसके बाद उन्होंने 'मेरे घर आए आज मेरे राम जी...' भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया।

मैं ही नया सवेरा हूं...

अनूप जलोटा ने गाया है कि जीवन और उसके बारीकी को समझना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं ही नया सवेरा हूं... भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया। इसके बाद उन्होंने 'मेरे घर आए आज मेरे राम जी...' भजन गाकर सभी को भक्ति रस में डुबो दिया।

जब नेहरू जी ने छात्र संघ भवन का किया उद्घाटन